फोटो

1- व्यक्तिगत जानकारी:-

नाम - श्री अशोक टेमले
पता - 84-47/2, नंदा नगर, इंदौर
शिक्षा - एम्.ए.-समाज शास्त्र ,एम.ए.राजनीती शास्त्र, आयुर्वेद रत्न
सेवा क्षेत्र - दृष्टि - दिव्यांगो के बीच सेवा कार्य
आयु - 71 वर्ष
सेवा का अनुभव - 35 वर्ष
मोबाइल नंबर - 99934 30802

2- जीवन परिचय:-

मेरा जन्म 26 जनवरी 1954 को हुआ| प्रारंभिक शिक्षा के बाद दो बार स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद रत्न की उपाधि प्राप्त की| इंदौर के प्रतिष्टित शासकीय - अस्पताल महाराजा यशवंत राव (M.Y) हॉस्पिटल के नेत्र विभाग में नौकरी की तथा सेवा के साथ - साथ जन कल्याण गतिविधियों में रूचि ली| बचपन में अपने परिवार के वृद्धजन को समय पर इलाज ना मिलने से नेत्र ज्योति खोते देखा तो “नेत्र चिकित्सा” के लिए समर्पित सेवा करने का निश्चय किया|

3- सामाजिक जीवन :-

बचपन से नानाजी एवं माता - पिता के धार्मिक स्वभाव, एवं परिवार के अन्य लोगो की दूसरो के प्रति सहायता करने की भावना के चलते मेने “युवा मंडल” की स्थापना की| अस्पताल में आने वाले नेत्र दिव्यांग लोगो के दर्द को नजदीक से जानना, आर्थिक अभाव के कारण इलाज ना करा पाने वाले लोगो एवं रिश्तेदारों को अस्पताल में भर्ती करने ,इलाज और दवाइयों की बेहतर सुविधा दिलाने और सेवा करने की मेरी दिनचर्या ही बन गई| कॉलेज के दिनों में NSS के द्वारा शिविरों में शिरकत करने से मेरी सामाजिक सक्रियता बढ़ने लगी थी, जो सेवा में आने के बाद अधिक सक्रीय हुई|

4- समाज सेवा का क्षेत्र (दृष्टि दिव्यांग के लिए किये कार्य) :-

मेरा समाज की सेवा का दायरा दृष्टि दिव्यांगो के इर्द गिर्द रहा| उनके पुनर्वास, शिक्षा ,रोज़गार, प्रशिक्षण हेतु अस्पताल से ही सुबह से ही मेरा कार्य आरंभ हो जाता, इलाज हेतु आने वाले दिव्यांगो को मेरे सहयोग से प्रशिक्षण, शिक्षण हेतु सामाजिक संस्थाओ में

भेजने लगा, जिससे अनेको दृष्टी दिव्यांगो का जीवन समाज की मुख्य धारा में आने लगा| संस्थाए भी मेरी इसी अप्रतिम सेवा को मान देने लगी| नेत्रदान, अंगदान और देहदान जैसे विषयों को मेने समाज की भान्तियो को दूर कर लोगो को प्रेरित किया| मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु शिविरों के माध्यम से सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में मेने हजारो दृष्टी पीड़ित की सहायता की|

अन्य दिव्यांगो के लिए किये कार्य - दृष्टि दिव्यांग के अलावा मूक - बधिर, मेंटली ,शारीरिक दिव्यांग ,वृद्ध आदि तरह के दिव्यांगजनों के लिए खेलकूद, शिक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिता के आयोजन कर नेत्र रोगों के प्रति जागरूकता लाने का विषेश प्रयास मेरे द्वारा किया गया|

5- अन्य संस्थाए जिनके साथ कार्य किया :-

रोटरी क्लब, राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा संस्था में सचिव्, मध्य प्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ में सचिव, सक्षम संस्था में प्रदेश नेत्र प्रकोष्ट के प्रमुख, नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड, इंदौर सोसाइटी फॉर ऑर्गन डोनेशन, नामर्दीय लोक सेवा ट्रस्ट आदि अनेक सेवा भावी संस्थायो में सक्रीय रूप से योगदान दिया|

6 - परिवार का सहयोग एवं नजरिया :-

परिवार द्वारा हमेशा ही सहयोग दिया गया, धर्मपत्नी ने विशेष रूप से सेवा कार्यो को करने हेतु प्रोत्साहित किया| नजदीक के रिश्तेदारों और मित्रो ने सदैव साथ दिया, उनका नजरिया हमेशा सकारात्मक रहा|

7- अवार्ड एवं सम्मान :-

सम्पूर्ण जीवन में शासन, सामाजिक संस्थाओ, समाचार पत्रों आदि से अनेक बार संम्मानित किया गया| जिसमे लायंस क्लब, रोटरी क्लब, सक्षम,एन ए बी, अनेक सामाजिक संस्थाओ एवं शासन द्वारा संम्मानित किया गया|

8- अच्छे - बुरे अनुभव:-

शासकीय सेवक के रूप में दिव्यांगता के लिए कार्य करना एक चुनोती से कम नहीं होता है| ऐसे लोगो के लिए काम की तुलना हमेशा सफल परिणाम की अपेक्षा लिए होती है, जो शासकीय मर्यादा के पालन की वजह से संभव नहीं हो पाती| ऐसे में हितग्राहियों का

गुस्सा भी सहन करना होता है| कोई चिकित्सा सेवा असरकारी नहीं होने से उसका भी विरोध कई बार सामने आया| अच्छे अनुभव जीवन में सकारात्मक उर्जा का संचार करते है| दिव्यांग बच्चो को परीक्षा, खेल, नौकरी में सफल होने पर अपने परिवार के बच्चे के सफल होने का अहसास बहुत अच्छा अनुभव रहता है| आँखों के ऑपरेशन के सफल होने के बाद अनेको मरीजो ने पैर छूकर अहसान माना, तब लगा जीवन सार्थक हुआ|

9- समाज के लिए सन्देश:-

मेरा मानना है की समाज से बहुत कुछ मिलता है| और उसे वापस किसी भी रूप में लौटाना हमारी जिम्मेवारी है, हम यदि धन -तन-मन से संपन्न है तो हमेशा वंचितों की सेवा करे|

10-समाज सेवियों के लिए सन्देश:-

आप जब भी कभी समाज सेवा का निर्णय ले तो मान ले की किसी तारीफ के लिए हम ये कार्य नहीं कर रहे है| हमारा कार्य जो समाज के लिए उपयोगी होगा तो जरुर आप की छाप जन -जन में जागृत रहेगी| जो भी कार्य करे पूरे मन से करे, ईश्वर ने लाखो लोगो में से आपको यह कार्य करने हेतु चुना है ,यह बात हमेशा ध्यान में रखे|